❍ Year : 3 ❍ Issue : 11 ❍ January 2019 ❍ ISSN : 2456-0898

GLOBAL THOUGHT

ग्लोबल थॉट

(MULTI DISCIPLINE MULTI LANGUAGE RESEARCH JOURNAL)

(An International Refereed Quarterly Research Journal)

(A Scholarly Peer Reviewed Journal)

Special Note :

Anti national thoughts are not acceptable.

Patron :

Prof. M.M. Agrawal

(Former Dean, Arts Faculty & H.O.D. Sanskrit, University of Delhi, Delhi)

Prof. D.S. Chauhan

(Former H.O.D. Sanskrit, Magadh University, Bodhgaya, Bihar)

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक रूपेश कुमार चौहान द्वारा 47, ए-3 ब्लॉक, गली नं. 5, धर्मपुरा एक्सटेंशन, (नजदीक संकट मोचन मंदिर), पी.एस. नजफगढ़, दिल्ली से प्रकाशित एवं डॉल्फिन प्रिंटोग्राफिक्स, 4 ई/7, पाबला बिल्डिंग, झंडेवालान् एक्सटेंशन, नई दिल्ली में मुद्रित।

सम्पादक-रूपेश कुमार चौहान

Ph. 09555222747, 9267944100, 9555666907

प्रकाशनार्थ सूचना

* लेखक से अनुरोध है कि शोध-पत्र वॉकमैन चाणक्य 905 या क्रुतिदेव फॉन्ट में वर्ड या पेजमेकर में टाइप (टङ्कण) कराकर शोध-पत्रिका के ई-मेल पर प्रेषित करें।
* शोध-लेख **हिन्दी एवं अंग्रेजी भाषा में** न्यूनतम 1500 शब्द एवं अधिकतम 5000 शब्द तक मान्य है तथा इसके साथ लेखक का पद-नाम के साथ स्वयं की फोटो (छवि-चित्र) अत्यन्त अनिवार्य है।
* प्रकाशनार्थ प्राप्त लेख सलाहकार परिषद् एवम् संपादक मण्डल की अनुमति के पश्चात् स्तरीय होने पर ही प्रकाशित होगा।
* लेख में यदि चित्र का प्रयोग हुआ है तो उसे भी अवश्य प्रेषित करें।
* **'ग्लोबल थॉट'** किसी भी तरह के परामर्श का स्वागत करती है, इसलिए अपनी प्रतिक्रिया अवश्य दें।
* यह स्पष्ट किया जाता है कि शोध पत्र में प्रस्तुत तथ्य शोध लेखक के अपने विचार हैं तथा इसमें सलाहकार परिषद् एवं सम्पादक मण्डल के विचारों की सहमति होना आवश्यक नहीं है। अत: लेख के लिए लेखक स्वयं उत्तरदायी है।
* शोध-पत्रिका की किसी भी सामग्री को प्रकाशक एवं मुद्रक की जानकारी के बिना अन्यत्र प्रकाशन अनुचित होगा।
* अपेक्षित आर्थिक सहयोग अथवा अंशदान के लिए हम आपके अत्यंत आभारी रहेंगे।
* **कृपया लेख के साथ अपनी पासपोर्ट साइज की फोटो अवश्य भेजें।**
* **पत्रिका का वितरण नि:शुल्क किया जाता है एवं विशेष अनुदान के लिए किसी पर कोई प्रतिबंध नहीं है। प्रकाशन के लिए कोई भी आवश्यक शुल्क नहीं है।**
* **प्रत्येक लेख हमारी विशेषज्ञ समीक्षा समिति के द्वारा त्रिस्तरीय स्तर पर समीक्षित होकर प्रकाशित हेतु स्वीकृत किया जाता है।**

© सर्वाधिकार सुरक्षित : रूपेश कुमार चौहान

ISSN : 2456-0898

विशेष सूचना : शोध पत्रिका में प्रकाशित लेखों में दिए गये तथ्यों और इनसे सम्बन्धित किसी भी विवाद का पूर्ण दायित्व लेखक का होगा, प्रकाशक, सम्पादक, मुद्रक एवं पत्रिका से सम्बन्धित अन्य किसी भी व्यक्ति का नहीं। प्रेषित स्पष्टीकरण अवश्य प्रकाशित किया जायेगा।

- सभी पद अवैतनिक एवं परिवर्तनीय हैं।
- **'ग्लोबल थॉट'** से संबंधित सभी विवादास्पद मामले केवल दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे।
- सारे भुगतान मनीआर्डर : चेक/ बैंक ड्राफ्ट **'वाक् सुधा'** के नाम से किए जाएं। कृपया दिल्ली से बाहर के चेक में बैंक कमीशन के 35.00 रुपये अतिरिक्त जोड़ें।

Registered Office : *H.No. 47, A-3 Block, Gali No. 5, Near Sankat Mochan Mandir, Dharampura Extn., Najafgarh, Delhi-110043*
Ph. 09555222747, 9267944100, 9555666907

Advisory Board

- **Prof. Arvind Kumar Pandey**
  (Former V.C., Kameshwar Singh Sanskrit University, Darbhanga)
- **Mahamahopadhyaya Prof. Ved Prakash Shastri**
  (Former P.V.C., Gurukul Kangarhi University, Haridwar)
- **Prof. Shankar Dayal Dwivedi**
  (Department of Sanskrit, Allahabad University)
- **Prof. Ram Sarekh Singh**
  (Former H.O.D., Philosophy, Magadh University, Bodhgaya)
- **Prof. Mahmood Manshur Alam**
  (Head, Urdu Department Magadh University, Bodhgaya)
- **Prof. Ram Bharat Singh**
  (Former H.O.D., Political Science, Magadh University, Bodhgaya)
- **Prof. Hirapaul Gangnegi**
  (Former H.O.D., Department of Buddhist Studies, University of Delhi, Delhi)
- **Dr. Sohanpal Sumankshar**
  (National President, Bhartiya Dalit Sahitya Academy)
- **Dr. Vikramaditya Roy**
  (Head, Sociology, D.A.V. P.G. College (BHU) Varanasi)
- **Prof. Satyadev Poddar**
  (History Department, Tripura Central University, Tripura)
- **Prof. Kashinath Jena**
  (Department of Political Science, Tripura Central University, Tripura)
- **Dr. Krishna Kumar Jha**
  (Senior Lecturer, Department of Hindi, Mahatma Gandhi Institute, Moka, Mauritius

Editor (Hindi)

Dr. Rupesh Kumar Chauhan
Assistant Professor, Sanskrit Department,
ZHDC (Even.), Delhi University
E-mail : rupesh.nirmal26@gmail.com
Mob. : 9555222747, 9540468787

Sub-Editor (Hindi)

Dr. Rajesh Kumar
Assistant Professor, Sanskrit Department
PGDAV College, Delhi University
E-mail : rajeshmm108@gmail.com
Mob. : 9555666907, 9891526584

Office Addresses :

Head Office (Delhi) :

Dharam Pal
I-11, Usha Kiran Building, Commercial Complex,
Azadpur, ***Delhi-****110033*
Mob : 9266319639

Branch Office (International) :

• **Dr. Usha Tiwari**
Bharatpur-4, Narayan Ghat, Chitwan, ***Nepal***

• **Mrs Kirthee Devi Ramjatton**
Impasse Bois Cheri, Bois Cheri Road,
Moka- 80804 Mauritius
Email: kdramjatton@yahoo.com
Contact no.: +230 57882178

Graphic Designing
Kawal Malik
J.D. Computers *Mob. : 9818455819*

Editorial Board

- **Dr. Gajender Singh**
  (Associate Professor, African Studies Department, University of Delhi, Delhi)
- **Dr. Jay Prakash Narayan**
  (Associate Professor, Sanskrit Department, Jamiya Miliya Islamiya University, Delhi)
- **Dr. V.K. Tomar**
  (Associate Professor, Commerce Department, Agrasen College, University of Delhi)
- **Dr. Sharad Ranjan**
  (Associate Professor, Economics Department, Zakir Hussain Delhi College (Even.), University of Delhi)
- **Dr. Manoj Kumar Sinha**
  (Assistant Professor, Commerce Department, PGDAV College (Morning), Delhi)
- **Dr. Anil Kumar**
  (Assistant Professor, Economics Department, Shyamlal College (Even.), University of Delhi, Delhi)
- **Dr. Anupam Jha**
  (Assistant Professor, Faculty of Law, University of Delhi, Delhi)
- **Dr. Pankaj Chaudhary**
  (Assistant Professor, Faculty of Law, University of Delhi, Delhi)
- **Dr. Krishna Kumar Jha**
  (Senior Lecturer, Hindi Department, Mahatma Gandhi Institute, Moka, Mauritius)
- **Dr. Govind Kumar Jha**
  (Assistant Professor, University Department of Mathematics, Vinoba Bhave University, Hazaribagh)
- **Dr. Uma Shankar**
  (Assistant Professor, Sanskrit (Jyotish) Department, University of Delhi, Delhi)
- **Dr. Manoj Sharma**
  (Assistant Professor, History Department, Kirorimal College, University of Delhi, Delhi)
- **Mrs. Kirthee Devi Ramjatton**
  (Lecturer, Department of Sanskrit, School of Indological Studies, Mahatma Gandhi Institute Moka, Mauritius)
- **Dr. Vandana Kumari Singh**
  (Assistant Professor, Department of Zoology, Hansraj College, University of Delhi, Delhi)
- **Dr. Sunil Kumar Singh**
  (Assistant Professor, Chemistry, Kirorimal College, University of Delhi, Delhi)
- **Dr. Sushil M. Tiwari**
  (Assistant Professor, Botany Department, Hansraj College, University of Delhi, Delhi)

अनुक्रमणिका

Editorial ---------- 8

दलित साहित्य : हिन्दीत्तर भाषाओं का योगदान... 9
डॉ. पदमा राम परिहार

विवाह संस्कार में विनियुक्त मन्त्रों और तत्सम्बद्ध क्रियाओं के निहितार्थ और सन्देश..... 14
डॉ. सरस्वती

मूल्यों का संकट : 'समाधान हेतु उपागम' भारतीय संदर्भ में..... 20
डॉ. श्रीमती कैलाश गोयल

Gender equity in the self help organizations of and for the visually impaired-Prioritize Inclusion ----------24
Manjula Rath

वैदिक सृष्टि विज्ञान में जलतत्व (शतपथ ब्राह्मण के परिप्रेक्ष्य में)..... 27
डॉ. विजय गर्ग

अरस्तू का त्रासदी सिद्धांत..... 31
डॉ. अनिल कुमार सिंह

বাংলা শিশুসাহিত্যের গতি-প্রকৃতি 35
ড. অনির্বাণ সাহা

आधुनिक जीवन में गीता की सार्थकता..... 39
डॉ. धनपति कश्यप

लोकतंत्र की चुनौतियां और मीडिया : समसामयिक संदर्भ..... 43
कुमार प्रशांत

आचार्य रामचंद्र शुक्ल के काव्य-प्रतिमान..... 47
डॉ. रामेश्वर राय

लोक साहित्य व परंपराएँ : भारतीय स्त्री के मन का दर्पण..... 52
डॉ. रीनू गुप्ता

विद्रोह की जमीन और स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी उपन्यास..... 58
डॉ. देव कुमार

नज़ीर के नज़्म में सांस्कृतिक नाद..... 66
डॉ. संगीता राय

सूफी सन्त हजरत अमीर खुसरो का हिन्दुस्तानी संगीत में योगदान..... 70
डॉ. दीपा वार्ष्णेय

मध्ययुगीन भारत और कबीर का समाजबोध..... 76
डॉ. सुनीता खुराना

श्रीलाल शुक्ल के उपन्यास 'राग दरबारी' में अभिव्यक्त यथार्थ (शिक्षा व्यवस्था के संदर्भ में)... 79
डॉ. प्रमोद कुमार द्विवेदी

विनय-पत्रिका और गीतावली में विवेचित सामाजिक एवं आर्थिक जीवन..... 83
डॉ. कुमारी अनीता

आर्थिक उदारीकरण के तीन दशक बाद भारत..... 92
डॉ. अबिता कुमारी

The Symbolism Behind Swallowing of Dāvānala by Lord Kṛṣṇa ---------- 97
Dr. Akshya Kumar Mishra

The Concept of Purusharthas in Indian Philosophy-Its relevance in today's world ---- 101
Dr. Sushma Gupta

हिन्दी नाटकों की विकास-यात्रा..... 105
डॉ. रतन अरविन्द

अनुवाद : प्रकृति संबंधी विवाद (विज्ञान, कला व शिल्प)..... 113
डॉ. विकेश कुमार मीना

पुराणों में देवी का स्वरूप..... 117
डॉ. दिलीप कुमार झा

Being and Keyhole ----------121
Dr. C. V. Babu

चांद का अछूत अंक अर्थात् जातिवादी पत्रकारिता अंक..... 125
डा. प्रदीप कुमार / डा. सोमा कुमारी

पूर्वपक्षव्याप्ति-प्रथमलक्षण के 'अधिकरणता' पदार्थ पर विचार..... 136
डॉ. ओमनाथ बिमली / राकेश कुमार

डॉ. अम्बेडकर की श्रम सदस्य के रूप में भूमिका (1941-46)..... 143
डॉ. संजय कुमार / डॉ. सुनीता पारीक

आचार्य हेमचन्द्र और उनकी कलिकालसर्वज्ञता 149
डॉ. भारतेन्दु पाण्डेय
भारतीय मीडिया का महिला अधिकारों की जागरूकता में योगदान 165
डॉ. सुनीता पारीक / डॉ. संजय कुमार
'काली आंधी' : चरित्र-सृष्टि (कमलेश्वर) 170
डॉ. भवानी दास
केदारनाथ अग्रवाल की कविताओं में विचारधारा की परिधि को तोड़ता लोकमन 177
डॉ. रिम्पी खिल्लन सिंह
गहन है ये अंध-कारा 181
निशा नाग
आदिवासी हाईपरटेक्स्ट : ढाँचागत पड़ताल 187
डॉ. विजेन्द्र सिंह चौहान
विज्ञापनों की दुनिया : बदलते मूल्य 190
डॉ. रेणु गुप्ता
'मेरा बचपन मेरे कंधों पर' में अभिव्यक्त दलित-जीवन 196
डॉ. सुनीता सक्सेना
निर्मल वर्मा की कला और साहित्य संबंधी मान्यताएँ 199
इंद्रमणि कुमार
"A Study of the Foreign Direct Investment Conceptual Reporting Framework" --------204
Ram Pravesh Roy
मीराबाई की भक्ति बनाम साधना 211
डॉ. मंजू रानी
वर्तमान समय और कबीर की प्रासंगिकता 216
डॉ. जरीना सईद
ऋग्वेद में वर्णित आयुर्वेदीय ओषधियाँ 220
डॉ. सुषमा राणा
पाणिनीय सूत्रों में सप्तमी विभक्ति के अर्थ के विविध आयाम 225
विनीत कुमारी
भारत में न्याय व्यवस्था : एक अध्ययन 230
डॉ. राजेश उपाध्याय
Chandraketugarh : An Urban Center of early Bengal; Reconstruction of the Urban Experience through Terracotta Figurines ----------236
Dr. Priyam Barooah
SAMĀDHI ----------250
Rudra Pratap Yadav
कबीर की कविता का सामाजिक पक्ष 255
अभिनव
कामायनी में सांस्कृतिक चेतना 259
डॉ. वीणा शर्मा
दलित चेतना और हिंदी उपन्यास (प्रेमचंद, निराला, रेणु और नागार्जुन के विशेष संदर्भ में) 263
चंदा सागर
मध्ययुगीन भारत के धार्मिक जीवन पर भक्तिवाद का प्रभाव 268
डॉ. चन्दन कुमार सिंह
'आषाढ़ का एक दिन' और 'लहरों के राजहंस' में खंडित और विभाजित व्यक्तित्व 272
डॉ. पुष्कर सिंह
स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी कहानी : एक विश्लेषण 277
डॉ. सुशील कुमार राय
Pandit Madan Mohan Malviya's concern for the Ganges ----------281
Sneha Dhankar
गोदान : सामंतवादी विद्रूपता और पूँजीवाद के उभार की कथा 284
डॉ. सत्येन्द्र प्रताप सिंह
योगाङ्ग 288
डॉ. वेदनिधि
स्वाधीनता आन्दोलन का दौर और हिन्दी का जब्त साहित्य 291
डॉ. नित्यानंद श्रीवास्तव

सम्पादकीय

ग्लोबल थॉट के **जनवरी 2019 अंक** को प्रस्तुत करने के क्रम में यह आभास हुआ कि भारतीय परम्परा में जिस प्राचीन ज्ञान-विज्ञान की पद्धति का सृजन चिरकाल से चला आ रहा है, उसे इस ज्ञान यज्ञ के द्वारा अनवरत् जारी रहना चाहिए। यह भारतीय मनीषियों की हमको दी गयी वह सौगात है जिसे भावी पीढ़ियों को निर्बाध सौंपने का कार्य हम और हमारी टीम हमेशा करती रहती है। यही मूल रूप से हमारा उद्देश्य है। इसकी सार्थकता पूर्णरूपेण तब सिद्ध हो पाएगी, जब इस ज्ञान-विज्ञान का प्रकटीकरण सोद्देश्य हमारे द्वारा हो। जैसा कि कहा गया है कि **'प्रयोजनमनुद्दिश्य न मन्दोऽपि प्रवर्तते।'** अर्थात् बिना प्रयोजन के तो मंदबुद्धि व्यक्ति भी किसी कार्य को नहीं करता है। अर्थात् कुछ भी निष्प्रयोजन नहीं होता तो ऐसे में हमारे पास तो इतना बड़ा प्रयोजन और कर्मफल सामने हो तो ठहरने का सवाल ही पैदा नहीं होता। इसी गति और प्रगति की सूत्रधार ग्लोबल थॉट अपने प्रकाशन के प्रारम्भ से रही है। आगे भी ज्ञान की धारा को अविरल बहने देने के प्रयास में अपनी ओर से किसी भी कार्य पूर्ति के लिए हमेशा तत्पर हैं।

भारतीय वाङ्मय ज्ञान का भंडार है। आवश्यकता उस भंडार को व्यवस्थित करने की है तदुपरान्त चिन्तन-मनन के साथ ज्ञान की निवृत्ति उसकी पूर्णता के साथ सम्पन्न होती है। ग्लोबल थॉट अपने लेखकों से भी यही आग्रह करती है कि लेखन एक कला है और कला में पिष्टपेषण वर्जित होता है क्योंकि कला जीवंत वैयक्तिक्ता का एक अचूक नमूना होती है और ऐसे में इसका अपमान हम साहित्यिक चोरी या नकल करके अवश्य करते हैं। आजकल ऐसी साहित्यिक नकल (प्लैगरिज्म) आम सी हो गयी है। आवश्यकता आविष्कार की जननी कही गयी है। पदोन्नति के दु:चक्र ने साहित्यिक नकल को आवश्यक स्वरूप प्रदान कर दिया है। आज के 75 फीसदी से अधिक लेखन में जोड़-तोड़ हो रही है। कट-पेस्ट के इस फैशन को सरकारी नुमाइन्दों ने खुद ही तैयार किया है। केवल पदोन्नति के फेर में कुछ भी लिखकर प्रकाशित किया जा रहा है। इस मामले में यूजीसी जैसी संस्थायें ही नियम पर नियम थोपकर व्यवस्था को अव्यवस्था का स्वरूप प्रदान करती हैं। आज शोध-पत्र लिखने को इतना महत्त्वपूर्ण बना दिया गया है कि पुस्तक लेखन बेमानी सा हो गया है। अंक तालिका में पुस्तक महत्त्वहीन कर दी गयी है। आखिर समितियों में बैठे नीति-निर्माता क्या दिग्भ्रमित तो नहीं हो गये हैं जिन्हें वस्तु-स्थिति का आभास ही नहीं होता। ऐसा नहीं है तो अवश्य ही ये सभी चीजें प्रायोजित सी लगती हैं क्योंकि ये तो बच्चा भी बता देगा कि 7 और 10 लेखों से सह-आचार्य और आचार्य बनना-बनाना भारत में ही संभव है। ऐसा करके नीति-निर्माताओं द्वारा शिक्षा के प्रतिमानों की खुलकर खिल्ली उड़ाई जा रही है।

आगामी महीनों में दुनिया का सबसे बड़ा चुनावी कार्यक्रम सम्पन्न होना है, जिसमें 80 करोड़ से अधिक मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। मतदान के प्रति जागरुकता पैदा करने के लिए ही आवरण पृष्ठ पर देश की महान् भाग्यविधाता जनता की तस्वीर प्रस्तुत की है। आप सभी से करबद्ध प्रार्थना है कि अपने मत रूपी अधिकार का प्रयोग अवश्य करें।

– डॉ. रूपेश कुमार चौहान